

16/4/25

पत्रावली का म जोर है म बोध
 में परकारान से रातिनाम पर
 पेवा दुई मूलवाद में रातिनाम से
 माधार पर फैलना हो चुका है
 इच्छित उच्च अक्ष प्रथित पा
 सारधन होने के अक्षित (प्रियताएँ)
 निमित्त से इफलान परकर प्रथित
 पत्रावली फैल चुका होकर मम
 के कम है